73 वें गणतंत्र दिवस समारोह में

<u>माननीय राज्यपाल महोदय का अभिभाषण</u>

<u>26-01-2022 को सुबह 9 बजे असम राइफल्स मैदान में</u>।

मेरे प्यारे त्रिपुरावासी भाइयों एवं बहनों !

नमस्कार !

73वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर समस्त राज्यवासियों को मैं हार्दिक अभिनंदन करता हूँ। आज का दिन एक राष्ट्रीय पर्व है, क्योंकि 26 जनवरी, 1949 को भारतीय संविधान सभा ने भारतीय संविधान को अपनाया और 1950 में इसे लागू किया गया। जिससे देश के सभी नागरिकों के लिए न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे को सुनिश्चित करने के लिए भारत को लोकतान्त्रिक गणतंत्र के रूप में स्थापित किया। आइये, हम सब मिलकर देश के स्वतंत्रता - सेनानियों को अपनी श्रद्धांजली अर्पित करें और संविधान - निर्माताओं के प्रति गहरी कृतज्ञता प्रदर्शित करें, जिन्होंने शुरुआती वर्षों में कड़ी चुनौतियों का सामना करते हुए देश को आगे बढ़ाया।

त्रिपुरा को देश में एक आदर्श और समृद्ध मॉडल राज्य बनाने के लिए राज्य सरकार कड़ी मेहनत, निस्वार्थ रूप से और अत्यंत ईमानदारी के साथ काम कर रही है।

2) राज्य सरकार प्रशासन में 3 'एन' अर्थात नियत, नीति और नियम को प्राथमिकता देकर अथक श्रम कर रही है। एम.बी.बी. अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, मिशन 100 विद्याज्योति स्कूल एवं मुख्यमंत्री त्रिपुरा

ग्रामीण समृद्धि योजना का उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा हाल ही में हुआ है जो कि त्रिपुरा राज्य के अर्थ सामाजिक व्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान करेगा।

3) अगरतला स्मार्ट सिटीज मिशन-10 के तहत भारत सरकार द्वारा शहरी नवीनीकरण के लिए चुने गए देश भर के 100 शहरों में से एक है। लाइट हाउस प्रोजेक्ट (LHP) जिसमें अभिनव और पर्यावरण के अनुकूल प्रौद्योगिकी का उपयोग करके बहुमंजिला इमारतों में 1000 किफायती, टिकाऊ और उच्च गुणवत्ता वाले फ्लैटों का निर्माण शामिल है।

4) "प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना" के तहत राज्य में 100% घरों का विद्युतीकरण किया गया है। साथ ही, राज्य सरकार ने जन शिकायतों को प्राप्त करने और उनके त्वरित समाधान के लिए संक्षिप्त कोड संख्या "1905" के साथ "मुख्यमंत्री (सीएम) हेल्पलाइन" शुरू किया है।

5) कानून और व्यवस्था की स्थिति में उल्लेखनीय रूप से सुधार हुआ है और नियंत्रण में है। राज्य सरकार ने 'नशा मुक्त, त्रिपुरा' - मादक द्रव्य विरोधी अभियान भी शुरू किया है।

6. इस वर्ष स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ, आजादी का अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। जिसमें भारत के गौरवशाली इतिहास और संस्कृति को मनाने के लिए भारत सरकार की तरफ से एक पहल है।

मैं सेना के सभी जवानों और कोरोना महामारी के विरुद्ध लड़ रहे सभी फ्रंटलाइन कर्मियों को उनके साहस] लगन और परिश्रम के लिए नमन करता हूँ।

जय हिन्द !